

में प्रारंभिक के कबजे काइत में
उत्पन्न नहीं हो ताका रिवाज व
वी यथा फिलानि कनाये रहे

पत्रावली फिलानि यथा

दोस नख्ख स चम हा वाट हाइली
साहित्य शक्ति मूल वाड रहे

[Faint, mostly illegible handwritten text in Hindi, likely bleed-through from the reverse side of the page.]